Publication Date 01.02.2026
Postal Registration No. G/CHD/0096/2024-26
Registrar of Newspapers of India
Regd. No. 46809/70 I Total Pages 32
Posted at MBU Chandigarh 1st of Every Month

HARCOFED

हरियाणा सहकारी प्रकाश
Haryana Sahkari Parkash

वर्ष : 57 / अंक 02 / 1 फरवरी, 2026 / वार्षिक मूल्य : रू 500 / प्रति कापी : रू 50

HAFED FLOUR MILL, JATUSANA

"सहकार से समृद्धि की ओर हरियाणा"
सहकारी आंदोलन, नवाचार और विकास की नई गाथा

CM PACS
ख़रा बाजार

सहकार सारथी ग्रामीण भारत की नई शक्ति !

सहकार सारथी ग्रामीण सहकारी बैंकों को आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं देने में सहायक है। इसके माध्यम से ग्रामीण बैंकों को डिजिटल सेवाएं, नई तकनीक और बेहतर सिस्टम प्रदान किया जाता है। इसका लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी तेज़, सुरक्षित और आसान बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना है।

हरियाणा सहकारी प्रकाश

मुख्य संरक्षक
विजयेंद्र कुमार, भा.प्र.से.
अतिरिक्त मुख्य सचिव,
सहकारिता विभाग, हरियाणा

संरक्षक
अमरदीप सिंह भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां,
हरियाणा

मुख्य सम्पादक
नरेश गोयल
प्रबन्ध निदेशक, हरकोफैड

सम्पादक
सौरव अत्री

सुविचार

उठो जागो और मत रूको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।

- स्वामी विवेकानन्द

'हरियाणा सहकारी प्रकाश' में प्रकाशित लेखकों के विचारों के साथ हरकोफैड का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के अपने विचार हैं।

हरियाणा सहकारी प्रकाश की विज्ञापन दरें :–

क्र.सं.	विवरण प्रति प्रकाशन	रुपये
1.	पूरा पृष्ठ टाईटल रंगीन	30000/-
2.	पूरा पृष्ठ रंगीन	20000/-
3.	पूरा पृष्ठ श्याम–श्वेत	12000/-
4.	आधा पृष्ठ श्याम–श्वेत	6000/-

इस अंक में पढ़िए

सम्पादकीय	4
भारत टैक्सी - भरोसे और आत्मनिर्भरता की सवारी!	5-6
सहकारिता मंत्री ने की मुख्यमंत्री घोषणाओं और बजट घोषणाओं की समीक्षा	7-8
सहकारिता मंत्री ने 77वें गणतंत्र दिवस पर रोहतक में बतौर मुख्यातिथि फहराया राष्ट्रीय ध्वज	9-10
दुनिया के सांस्कृतिक, पर्यटन मानचित्र पर मजबूत दस्तक देगा 39वां सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला	11-12
हरको बैंक से	13
हाउसफैड से	14
सहकारिता - समावेशी विकास की भारतीय राह	15
हरकोफैड से	16-24
भूमि युगों का आधुनिकता के साथ कदम ताल	25
स्लोगन - प्रतियोगिता	26
महाशिवरात्रि	27
डिजिटल शिक्षा : ग्रामीण किसानों को सशक्त बनाने में एक अग्रणी पहल	28-29
विज्ञापन	30
हरियाणवी गीत	31

सम्पादकीय

सहकार से समृद्धि की ओर हरियाणा

बिना संस्कार नहीं सहकार, बिना सहकार नहीं उद्धार

सहकारिता केवल एक आर्थिक ढांचा नहीं, बल्कि मानवीय सभ्यता और भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र है। भारत सरकार के **'सहकार से समृद्धि'** के विजन को साकार करने में हरियाणा राज्य एक अग्रणी भूमिका निभा रहा है। हरियाणा, जो अपनी कृषि और दुग्ध उत्पादन के लिए जाना जाता है, अब सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है।

हरियाणा में सहकारिता की पृष्ठभूमि: हरियाणा की सामाजिक और आर्थिक संरचना में सहकारिता का गहरा प्रभाव रहा है। राज्य के गठन के समय से ही यहाँ कृषि और पशुपालन ग्रामीण जीवन के आधार रहे हैं। 'हैफेड' और 'वीटा' जैसे ब्रांडों ने यह साबित किया है कि अगर किसान और ग्रामीण एकजुट होकर काम करें, तो वे बड़े–बड़े कॉरपोरेट्स को भी चुनौती दे सकते हैं।

सहकार से समृद्धि प्रमुख उद्देश्य: हरियाणा सरकार का लक्ष्य राज्य के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति (अंत्योदय) को सहकारी समितियों के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इसके मुख्य उद्देश्य हैं :– किसानों की आय को दोगुना करना। पैक्स को बहुउद्देशीय सेवा केंद्रों में बदलना। बिचौलियों को हटाकर उत्पादक को सीधा लाभ देना। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का सृजन।

नवाचार और तकनीकी पहल: हरियाणा ने सहकारिता को आधुनिक तकनीक से जोड़ने में अभूतपूर्व कार्य किया है पैक्स (PACS) का कम्प्यूटरीकरण राज्य की प्राथमिक कृषि ऋण समितियों का पूर्ण रूप से कम्प्यूटरीकरण किया जा रहा है। इससे पारदर्शिता बढ़ी है और किसानों को खाद, बीज और ऋण प्राप्त करने में आसानी हुई है। अब पैक्स केवल ऋण देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे **'कॉमन सर्विस सेंटर'** के रूप में भी कार्य कर रही हैं।

हैफेड का विस्तार: हरियाणा राज्य सहकारी आपूर्ति और विपणन महासंघ ने न केवल गेहूं और चावल की खरीद में कीर्तिमान स्थापित किए हैं, बल्कि अब वह निर्यात के क्षेत्र में भी कदम बढ़ा चुका है। बासमती चावल और सरसों के तेल का निर्यात हरियाणा की सहकारिता की सफलता का प्रमाण है।

जन औषधि केंद्र: सहकारी समितियों के माध्यम से राज्य भर में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र खोले जा रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाइयां मिल रही हैं।

प्रमुख क्षेत्र और विकास गाथा डेयरी सहकारिता: 'वीटा' ने दूध उत्पादकों को उचित मूल्य दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई है। गांवों में दुग्ध समितियों का जाल बिछा हुआ है, जो श्वेत क्रांति को निरंतर गति दे रहा है।

चीनी मिलें और एथेनॉल : सहकारी चीनी मिलों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। गन्ने से केवल चीनी ही नहीं, बल्कि एथेनॉल और बिजली उत्पादन पर भी जोर दिया जा रहा है, जिससे मिलें घाटे से उबरकर मुनाफे में आ सकें।

उद्यमिता विकास: **'सांझी डेयरी'** योजना जैसी पहलों के माध्यम से भूमिहीन पशुपालकों को एक छत के नीचे पशु रखने और दूध बेचने की सुविधा दी जा रही है।

चुनौतियां और समाधान: यद्यपि विकास की गाथा शानदार है, फिर भी जागरूकता की कमी जैसी चुनौतियां मौजूद हैं। इसके लिए हरियाणा सरकार सहकारी शिक्षा और प्रशिक्षण पर जोर दे रही है ताकि युवा भी इस आंदोलन से जुड़ सकें।

"सहकार से समृद्धि" का नारा हरियाणा में केवल एक स्लोगन नहीं, बल्कि धरातल पर उतरती एक सच्चाई है। जब किसान, मजदूर और महिलाएं एक साथ मिलकर, एक उद्देश्य के लिए काम करते हैं, तो समृद्धि आनी निश्चित है। तकनीकी नवाचार, पारदर्शिता और सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ, हरियाणा का सहकारी आंदोलन निश्चित रूप से 'विकसित भारत' के सपने को पूरा करने में अपनी महत्वपूर्ण आहुति दे रहा है। यह वास्तव में विकास की एक नई और स्वर्णिम गाथा है।

जय हिंद, जय सहकार!

भारत टैक्सी - भरोसे और आत्मनिर्भरता की सवारी!

भारत देश के सहकारिता आंदोलन तथा डिजिटल भारत की दिशा में एक नया अध्याय खुल रहा है, जिसके केन्द्र में खड़ा है 'भारत टैक्सी' (Bharat Taxi) : देश की पहली राष्ट्रीय सहकारी टैक्सी सेवा जिसे मंत्रालय सहकारी (Ministry of Cooperation), भारत सरकार द्वारा समर्थित और प्रायोजित किया जा रहा है। यह पहल पारंपरिक निजी टैक्सी–एग्रीगेटर मॉडल (जैसे – ओला, उबर आदि) से अलग एक ड्राइवर–हितैषी, पारदर्शी और स्वामित्व–आधारित मॉडल पेश करती है, जिसका मूल उद्देश्य टैक्सी चालकों की कमाई में बढ़ोतरी, पारदर्शिता तथा यात्रियों को किफायती सेवा उपलब्ध कराना है।

भारत टैक्सी की शुरुआत सहकारिता मंत्रालय और नेशनल ई–गवर्नेंस डिवीजन (NeGD) के संयुक्त प्रयास से हुई है, जहाँ इसे Sahakar Taxi Cooperative Ltd. के रूप में एक मल्टी–स्टेट सहकारी सोसायटी के अंतर्गत विकसित किया गया है। इस सहकारी का उद्देश्य है टैक्सी–सेवा संचालकों (ड्राइवरों) को केवल कॉन्ट्रैक्ट वर्कर के रूप में नहीं, बल्कि स्वामियों और साझेदारों के रूप में स्थापित करना, जिससे वे अपनी मेहनत की पूरी आय स्वयं रख सकें और प्लेटफॉर्म से होने वाले मुनाफे में भी उनका हिस्सा बढ़े।

भारत टैक्सी को मल्टी–स्टेट को–ऑपरेटिव सोसायटी ,क्ट (MSCS Act 2002) के तहत 6 जून 2025 को रजिस्टर किया गया। इस सहकारी को भारत की प्रमुख सहकारी संस्थाओं द्वारा समर्थित किया किया है, जिनमें गुजरात को–ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (Amul), IFFCO, NAFED,

KRIBHCO, NDDB, NCDC, NCEL और NABARD शामिल हैं। इन संस्थाओं के योगदान और समर्थन से सहकारी की मजबूत वित्तीय तथा संचालन क्षमता सुनिश्चित की जा रही है, जिससे यह प्लेटफॉर्म कम समय में बड़ी संख्या में चालकों और यात्रियों तक पहुँच सके।

इस पहल का एक प्रमुख लक्ष्य है "सहकार से समृद्धि" (Sahakar Se Samriddhi) को राष्ट्रीय स्तर पर साकार करना – अर्थात् सहकारी मूल्यों के आधार पर रोजगार, पारदर्शिता, साझा स्वामित्व, तथा ग्रामीण–शहरी दोनों समुदायों में आर्थिक सुदृढ़ता को बढ़ावा देना। यह भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत (Atmanirbhar Bharat) और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के विजन का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पायलट और प्रारंभिक लॉन्च : भारत टैक्सी ने दिसंबर 2025 में दिल्ली में अपना पायलट ऑपरेशन शुरू किया, जिसमें कार, ऑटो और मोटरबाइक टैक्सी–सेवाओं को शामिल किया गया। इस पायलट फेज में ही लगभग 51,000 से अधिक ड्राइवरों ने प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण किया, जो इसकी व्यापक लोकप्रियता और ड्राइवर समुदाय से समर्थन को दर्शाता है। पायलट में शामिल चालकों को पूर्ण स्वामित्व तथा पारदर्शी आय का अवसर मिलता है, जो पारंपरिक प्लेटफॉर्म मॉडल (जहाँ टेक कंपनियाँ भारी कमीशन लेती हैं) से अलग है।

सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि यह सेवा पूरा–कमीशन मॉडल अपनाएगी, जहाँ चालक को 100% कमाई मिलेगी और वह केवल एक न्यूनतम संचालक शुल्क (daily/weekly/monthly fee) का भुगतान करेगा, न कि हर सवारी पर भारी कमीशन। इससे चालकों के लिए आर्थिक सुदृढ़ता और स्थिर आय के अवसर बढ़ेंगे।

डिजिटल और तकनीकी समीकरण : भारत टैक्सी को डिजिटल इंडिया के सन्दर्भ में विकसित किया गया है और यह भारत के प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म्स जैसे DigiLocker, UMANG और API Setu के साथ समाकृत है। इससे सुरक्षित पहचान, डेटा गोपनीयता और निर्बाध सेवा प्रदान करने में सहायता मिलती है, जो यात्रियों तथा चालकों दोनों के लिए अनुभव को अधिक सुरक्षित और भरोसेमंद बनाता है।

उपयोगकर्ता और चालकों की प्रतिक्रिया : आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत टैक्सी ऐप ने लॉन्च के तुरंत बाद ही 4 लाख से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ताओं को हासिल कर लिया है, और सहकारिता मंत्रालय के अनुसार हर दिन लगभग 40,000 – 45,000 न, उपयोगकर्ता इस सेवा से जुड़ रहे हैं। ऐप Google Play Store में भी ट्रैवल कैटगरी में शीर्ष पर रैंक कर रहा है, जो इसकी लोकप्रियता और क्षमता को दर्शाता है।

प्री–लॉन्च चुनौतियाँ : हालाँकि भारत टैक्सी को व्यापक समर्थन मिल रहा है, इसके लॉन्च के शुरुआती दिनों में तकनीकी समस्या और सकारात्मक रूप से कार्यशील फीचर्स की कमी जैसी चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। उदाहरण के लिए कुछ रिपोर्टों के अनुसार, ऐप अभी भी कुछ बुनियादी फंक्शंस (जैसे तुरंत कैब बुकिंग) में सीमित कार्यक्षमता प्रदर्शित कर रहा है, जिसे आगे सुधारने की आवश्यकता है।

विस्तार योजना: सरकार ने कहा है कि पायलट चरण के बाद भारत टैक्सी को जनवरी 2026 के अंत तक दिल्ली और अन्य प्रमुख शहरों में फुल रोल–आउट के लिए तैयार किया जा रहा है। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से इसे गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में विस्तारित किया जाएगा, ताकि देश भर के यात्रियों और चालकों को लाभ पहुँच सके।

प्रभाव और संभावनाएँ : भारत टैक्सी का उद्देश्य पारंपरिक टैक्सी–इकोनॉमी को डेमोक्रेटिक और स्वामित्व–आधारित मॉडल से पुनः परिभाषित करना है। यह न केवल चालकों के आर्थिक अधिकारों को सुदृढ़ करेगा, बल्कि यात्रियों को पारदर्शी, किफायती और सुरक्षित सेवा प्रदान करेगा, और भारत में सहकारी मूल्यों को डिजिटल अर्थव्यवस्था के प्रमुख हिस्से के रूप में स्थापित करेगा।

सहकारिता मंत्री ने की मुख्यमंत्री घोषणाओं और बजट घोषणाओं की समीक्षा

अनाज भंडारण क्षेत्र में उतरेंगी सहकारी समितियां, सीएम पैक्सों से होगी शुरूआत

चीनी मिलों के घाटे को कम करने के मकसद से बनेगी समन्वय समिति

पानीपत में एथनॉल प्लांट स्थापित करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश

डॉ. अरविंद कुमार शर्मा

सहकारिता मंत्री, हरियाणा डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने हरियाणा सिविल सचिवालय स्थित कमेटी कक्ष में सहकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयेन्द्र कुमार, भा.प्र.से एवं सभी सहकारी संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होने विभाग से जुडी मुख्यमंत्री घोषणाएं और बजट के दौरान की गई घोषणाओं की समीक्षा की।

मंत्री जी ने कहा कि केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय की नई सहकारिता नीति को क्रियान्वयन करने की दिशा में हरियाणा गंभीरता से काम कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सहकार से समृद्धि के संकल्प और केंद्रीय सहकारिता मंत्री आदरणीय अमित शाह के **संग चलें, संग बढें** के मूल मंत्र के साथ हरियाणा की सहकारी समितियां अब अनाज भंडारण क्षेत्र में उतरेंगी। उन्होने इस दिशा में कदम आगे बढाते हुए सी.एम. पैक्सों से शुरूआत करने तथा इच्छुक सहकारी समितियों को चिन्हित करने के निर्देश दिए हैं। यही नहीं प्रदेश के सहकारी चीनी मिलों को घाटे से उभारने के लिए भी जल्द ही समन्वय समिति गठित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

मंत्री जी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रदेश में अनाज भंडारण के लिए गोदाम निर्माण के उद्देश्य से हैफेड को नोडल एजेंसी बनाते हुए 10 लाख मीट्रिक क्षमता के गोदाम निर्माण के लिए

अधिकृत किया गया है। इस दिशा में हैफेड द्वारा अब तक 3.35 लाख मीट्रिक टन क्षमता के गोदाम निर्माण के लिए मंजूरी दी जा चुकी है, जबकि 1.38 लाख लाख मीट्रिक टन के लिए प्रस्ताव राज्य स्तरीय समिति को भेज दिए गए हैं। सहकारी समितियां आत्मनिर्भर भारत – विकसित भारत संकल्प में अपना अहम योगदान दे सकें, इसके लिए सी.एम. पैक्सों को भी अनाज भंडारण क्षेत्र में अवसर दिए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में अब तक पंजीकृत सभी सीएम पैक्सों को इस संभावना के बारे में अवगत करवाते हुए अवसर प्रदान किए जाएं, ताकि उन्हें व्यवहारिक तौर पर अवसर उपलब्ध करवाए जा सकें।

उन्होंने कहा कि गन्ना उत्पादक किसानों के सामने आ रही लेबर समस्या के निदान के लिए भी जल्द ही कृषि विभाग के साथ समन्वय करते हुए हार्वेस्टिंग मशीनों को सब्सिडी पर उपलब्ध करवाना सुनिश्चित किया जाए। पानीपत में 200 करोड रूपए की लागत से एथेनॉल प्लांट स्थापित करने की प्रक्रिया में भी तेजी लाने के निर्देश दिए तथा अन्य सहकारी चीनी मिलों में एथेनॉल प्लांट लगाने की संभावना पर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सहकारिता विभाग हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विजयेन्द्र कुमार, भा.प्र.से हैफेड के प्रबंध निदेशक श्री मुकुल कुमार, भा.प्र.से डेयरी फेडरेशन के प्रबंध निदेशक श्री रोहित यादव, हरको बैंक के प्रबंध निदेशक डॉ प्रफुल्ला रंजन, हरकोफैड एवं एच.एस.सी.ए.आर.डी.बी. के प्रबंध निदेशक श्री नरेश गोयल, लेबरफेड के प्रबंध निदेशक श्री वीरेंद्र दहिया, हाउसफेड के प्रबंध निदेशक श्री योगेश शर्मा उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर जनहित कार्यों, कर्तव्यनिष्ठा व सहकारिता विभाग में उत्कृष्ट कार्यशैली के लिए गोहाना के सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, श्री प्रशांत शर्मा को प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित करते विधायक सोनीपत श्री निखिल मदान एवं उपमंडल मैजिस्ट्रेट सुश्री अंजली, भा.प्र.से.

सहकारिता मंत्री ने 77वें गणतंत्र दिवस पर रोहतक में बतौर मुख्यातिथि फहराया राष्ट्रीय ध्वज

संविधान लागू होने से नागरिकों को मिले मौलिक अधिकार

संविधान सभा के सदस्यों व स्वतंत्रता सेनानियों को किया नमन

हरियाणा के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने राजीव गांधी खेल परिसर, रोहतक में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय समारोह में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इससे पूर्व उन्होंने शहर के विभिन्न चौक पर पहुंचकर विभिन्न महापुरुषों को पुष्प अर्पित किये तथा मदवि स्थित राज्य स्तरीय युद्ध स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया एवं परेड कमांडर रविंद्र कुमार के साथ खुली जीप में सवार होकर परेड़ का निरीक्षण किया तथा भव्य परेड की सलामी ली। उन्होंने कार्यक्रम में वीर नारियों, शहीदों के परिजनों तथा विभिन्न क्षेत्रों में

उत्कृष्ट कार्य करने वाले महानुभावों को सम्मानित किया।

मंच से अपने सम्बोधन में मंत्री जी ने कहा कि 76 वर्ष पूर्व 1950 में लागू हुए संविधान से भारत विश्व का सबसे बड़ा संप्रभुता संपन्न, लोकतांत्रिक गणराज्य बना तथा इसी दिन से संविधान से नागरिकों को न्याय, स्वतंत्रता व समानता की मौलिक अधिकार प्राप्त हुये। आज संपूर्ण राष्ट्र उन महापुरुषों को नमन करता है, जिन्होंने देश को स्वतंत्रता दिलवाने एवं भारतीय संविधान को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

दुनिया के सांस्कृतिक, पर्यटन मानचित्र पर मजबूत दस्तक देगा 39वां सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला

पार्टनर नेशन इजिप्ट, थीम स्टेट उत्तर प्रदेश एवं मेघालय समेत 50 से अधिक देशों की भागीदारी से सजेगा महोत्सव

बुनकर, हस्तशिल्पियों, कलाकारों को स्थानीय से वैश्विक मंच देगा सूरजकुंड मेला

डॉ. अरविंद शर्मा

सहकारिता एवं विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने हरियाणा सिविल सचिवालय स्थित कार्यालय में फरीदाबाद में 31 जनवरी से 15 फरवरी तक लगने वाले 39वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव की तैयारियों पर पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। मंत्री जी ने कहा कि 39वां सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव दुनिया के सांस्कृतिक, पर्यटन मानचित्र पर मजबूत दस्तक देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत संकल्प को सिद्धि तक ले जाने के उद्देश्य के साथ शिल्प महोत्सव राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों, हस्तशिल्पियों, बुनकरों की सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने, वैचारिक, व्यापारिक गतिविधियों को नई रफ्तार देने का काम करेगा, इसके लिए मूल मंत्र लोकल से ग्लोबल – आत्मनिर्भर भारत की पहचान होगा।

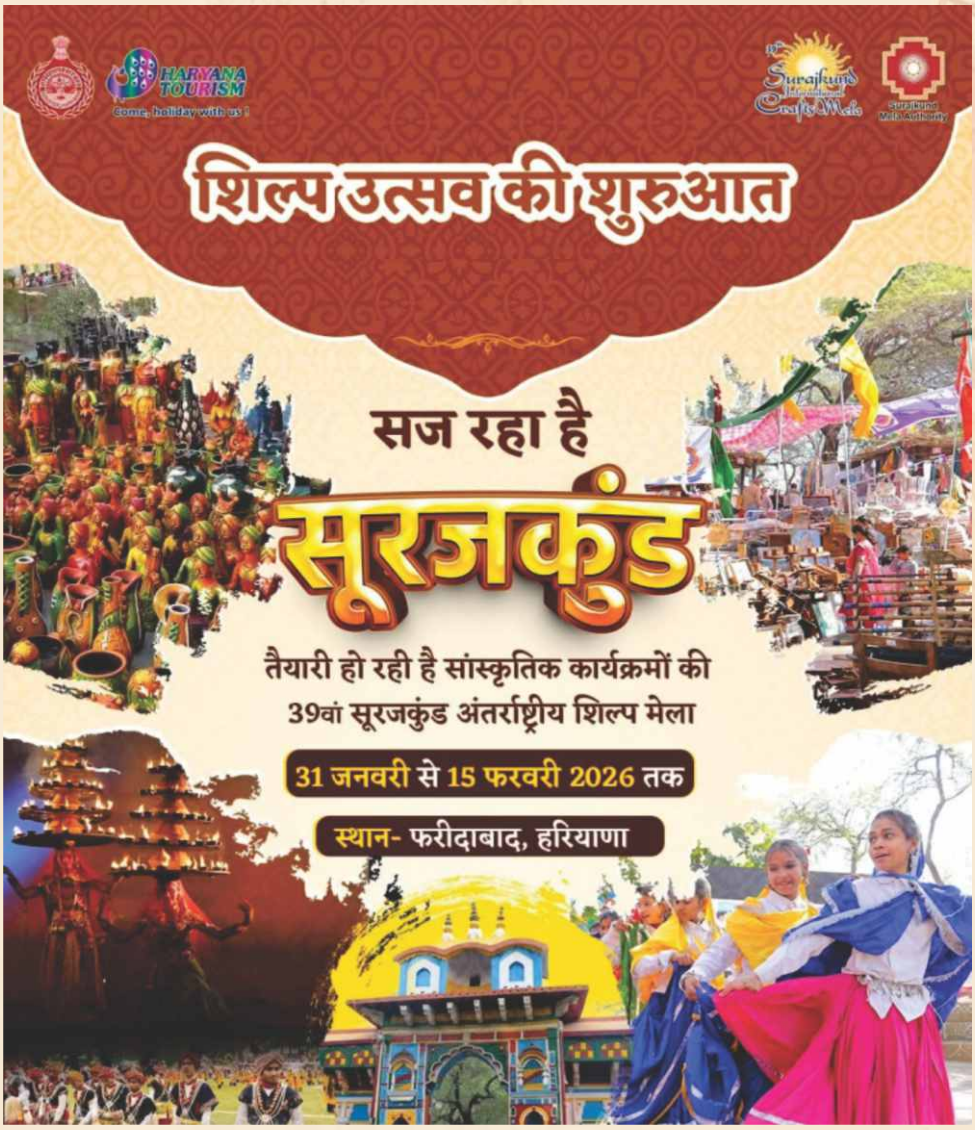

कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि 39वां सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं होगा, बल्कि भारत की सांस्कृतिक एकता का उत्सव, शिल्प कौशल और आत्मनिर्भरता के विचार की आत्मा साबित होगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश की विरासत के संरक्षण, होनहार कारीगरों व हस्तशिल्पियों की स्थाई आजीविका और अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक गठजोड़ की अपनी प्रतिबद्धता पर खरा उतरेगा। उन्होंने कहा कि पार्टनर नेशन के तौर पर इजिप्ट चौथी बार शिल्प महोत्सव में अपनी प्राचीनतम कला एवं संस्कृति के साथ पर्यटकों को लुभाएगा, जबकि थीम स्टेट उत्तर प्रदेश व मेघालय की समृद्ध सांस्कृतिक एवं लोक कला का प्रदर्शन मेला परिसर में होगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय शिल्प महोत्सव में गत वर्ष 44 देशों के 635 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया था, जबकि इस साल 50 से अधिक देशों के 800 के करीब प्रतिभागी शामिल होंगे।

विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने शिल्प महोत्सव में 1200 से अधिक स्टॉल्स राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय बुनकरों, शिल्पकारों, पारंपरिक शिल्प प्रदर्शनी के बिक्री के लिए अलॉट किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पदमश्री कैलाश खेर, पंजाबी गायक गुरदास मान, पदमश्री महाबीर गुड्डू, हरियाणवी लोक गायक सौरव अत्री समेत कई प्रख्यात शख्सियत अपनी प्रस्तुतियां देंगे। हरियाणवीं संस्कृति एवं लोक कला की पुरानी परंपराओं को जीवंत रखने के लिए प्रादेशिक कलाकार अलग–अलग मंचों पर प्रस्तुति देंगे, जिसमें इकतारा, सारंगी, ढेरू जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्र भी शामिल किए गए हैं। मेला परिसर में हर साल पर्यटकों की बढते आवागमन को ध्यान में रखते हुए पौने पांच करोड रूपए की राशि खर्च करते हुए ढांचागत विकास किया गया है, इसमें मेला परिसर का सौंदर्यीकरण, रास्तों का चौडीकरण, 127 नए हट का निर्माण, पुरानी हट की रिपेयर और झूला क्षेत्र का विस्तार शामिल है।

पैक्स को सशक्त बनाने पर जोर, हरको बैंक की समीक्षा बैठक आयोजित

दिनांक 22 जनवरी 2026 को प्रातः 11.00 बजे, हरियाणा निवास, सेक्टर–3, चंडीगढ़ में हरियाणा राज्य सहकारी बैंक के प्रबंध निदेशक डॉ. प्रफुल्ल रंजन की अध्यक्षता में सभी 19 जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों (DCCB) के महाप्रबंधकों/जिला अधिकारियों (GMs/DOs) की बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य हरको बैंक तथा सभी 19 DCCBs के वर्तमान व्यावसायिक प्रदर्शन की समीक्षा करना एवं उनकी वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करने हेतु प्रभावी रणनीतियों पर विचार–विमर्श करना था।

डॉ. प्रफुल्ल रंजन ने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य वर्तमान व्यावसायिक प्रदर्शन को समझना तथा मौजूदा चुनौतियों को पार करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु रणनीतियाँ तैयार करना है। उन्होंने पैक्स की लगातार बिगड़ती स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्हें सशक्त बनाने के लिए नई एवं नवाचारी रणनीतियाँ अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में श्री अशोक कुमार वर्मा, महाप्रबंधक (योजना एवं निगरानी) ने बैंकों के व्यवसाय में वृद्धि पर जोर देते हुए कहा कि संसाधनों को कम लागत पर जुटाने तथा उन्हें अधिक प्रतिफल वाले क्षेत्रों में निवेश करने की दिशा में ठोस प्रयास किए जाने चाहिए।

बैठक में श्री अशोक कुमार वर्मा, महाप्रबंधक (योजना एवं निगरानी), श्री रमेश पुनिया, महाप्रबंधक (प्रशासन), श्रीमती उर्वशी गुप्ता, महाप्रबंधक (बैंकिंग), श्रीमती सुधा शर्मा, उप महाप्रबंधक (लेखा एवं निरीक्षण), श्री येशवीर सिंह, प्रबंधक (योजना एवं निगरानी), श्री विशाल कटियार, प्रबंधक (ईडीपी) समेत सभी 19 DCCBs के महाप्रबंधक/जिला अधिकारी एवं PMU टीम के सदस्य मौजूद रहे।

HOUSEFED

दी हरियाणा राज्य सहकारी आवास प्रसंघ लि0
बेज़ नं0 49–52, सैक्टर–2 पंचकूला
दूरभाषः 0172-2575847, 0172-2574142
E-mail: housefedhry@gmail.com

योगेश शर्मा
प्रबंध निदेशक

भवन निर्माण हेतु सस्ती ब्याज दर ऋण योजना

वर्ष 1973 में अस्त्तिव में आने से लेकर आज तक आवास प्रसंघ हरियाणा प्रदेश के निवासियो को भवन निर्माण हेतु सतत वितिय सेवाए प्रदान कर रहा है। आधी सदी से ज्यादा इस सफर में व्यावसायिक बैंको की ब्याज दरो को लेकर जारी गलाकाट प्रतिस्पर्धा के बावजूद आवास प्रसंघ हरियाणा सस्ती ब्याज दर पर भवन निर्माण हेतु ऋण उपलब्ध कराने मे अग्रणी रहते हुए महत्वपूर्ण भुमिका निभा रहा है। आवास प्रसंघ आज भी शहरी गरीबो, आर्थिक रूप से पिछडे वर्ग व मध्यम आय वर्ग के लोग, जो व्यावसायिक बैंको की जटिल औपचारिकता, अनावश्यक दस्तावेज व सेवा प्रदान करने के लिए फाइल चार्ज निरीक्षण चार्ज व अन्य छिपे हुए चार्ज आदि के कारण ऋण लेने में असमर्थ है, के मध्य पहली पसंद बना हुआ है। प्रदेश भर में कार्यरत अपनी सदस्य समितियो क्षैत्रिय कार्यालय तंत्र के चलते आवास प्रसंघ शहरी गरीबो के लिए 'हर सर पर छत' का नारा सार्थक साबित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में 7% वार्षिक ब्याज दर पर शहरी गरीब लोगो को भवन निर्माण हेतु दीर्घ, अवधि के लिए ऋण उपलब्ध कराने हेतु सरकार द्वारा स्वीकृत शहरी गरीब कर्ज योजना कायर्यान्वित करने जा रहा है।

इस योजना के मुख्य विशेषताए निम्नलिखित हैः–

1. यह योजना शहरी गरीब लोगो के लिए है। शहर का अर्थ है, प्रांत में जहा नगर पालिका, नगर परिषद, नगर निगम कार्यरत हो।
2. ऋण की अधिकतम सीमा एक व्यक्ति के लिए 12.50 लाख रूपये है।
3. ऋण 10 वर्षों को अवधि (अधिस्थगन समय के अलावा) है।
4. ऋण तीन किस्तो में (30% DPC, 40% door level व 30% finishing level) निर्माण की स्थिति अनुसार जारी किया जायेगा।
5. ऋण की अदायगी 10 वर्षा मे 40 समान त्रैमासिक किस्ते जिसमे ब्याज व मूलधन सम्मिलित है, की जानी है।
6. एक लाख रूपये की त्रैमासिक किस्त 3497/– व मासिक किस्त रूपये 1166/– है।
7. ऋण लेते समय किसी भी प्रकार का चार्ज/फिस नही लिया जाता है।

ऋण के लिए आवश्यक दस्तावेज

1. भूखण्ड के स्पस्ट, एकल, बिक्री योग्य स्वामित्व का प्रमाण पत्र (सेल डीड)
2. भूखण्ड का राजस्व विभाग का रिकार्ड
3. भार मुक्त प्रमाण पत्र/ Legal Search Report.
4. भूखण्ड का मुल्याकन (नक्शानवीस द्वारा)
5. प्रस्तावित निर्माण की अनुमानित लागत (नक्शानवीस द्वारा)
6. प्रस्तावित निर्माण का नगर पालिका, नगर परिषद, नगर निगम या अन्य सक्षम प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत नक्शा
7. प्रार्थी के पहचान पत्र (Addhar, PAN, PPP)
8. आय प्रमाण पत्र तीन वर्ष की आय कर रिर्टन
9. ऋण स्वीकृति उपरांत स्वीकृत ऋण राशी के 1.5 प्रतिशत स्टम्प पेपर पर सम्पति का आवास प्रसंघ के हक में रहननामा व रहननामे का राजस्व विभाग में इन्द्राज ।
10. पांच फोटो
11. बैंक खाता व दस चैक

अतः इच्छुक व्यक्तियो से आग्रह है कि अपना घर बनाने का सपना साकार करने के लिए सस्ते ब्याज दर पर ऋण लेने हेतु आवास प्रसंघ हरियाण मुख्यालय व क्षैत्रिय कार्यालयो से सर्म्पक करे।

योगेश शर्मा
प्रबंध निदेशक

सहकारिता - समावेशी विकास की भारतीय राह

अमन धीमान
उपमंडल अधिकारी, लेबर फेड पंचकुला

सहकारिता भारत की सामाजिक–आर्थिक संरचना का वह आधार है, जो व्यक्ति को अकेले संघर्ष करने के बजाय सामूहिक शक्ति का हिस्सा बनाती है। इसका मूल भाव है सहयोग, विश्वास और सहभागिता। सहकारिता केवल एक संगठनात्मक ढांचा नहीं, बल्कि एक जीवन–दर्शन है, जो प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग को, लाभ के स्थान पर न्याय को और अलगाव के स्थान पर एकजुटता को प्राथमिकता देता है। भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में सहकारिता का महत्व और भी बढ़ जाता है। यहाँ क्षेत्रीय असमानताएँ, संसाधनों की सीमाएँ और सामाजिक–आर्थिक विषमताएँ स्पष्ट दिखाई देती हैं। ऐसे में सहकारिता वह सेतु बनती है, जो छोटे किसान, श्रमिक, कारीगर, स्वयं सहायता समूह और कमजोर वर्गों को संगठित कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाती है। अकेला व्यक्ति सीमित हो सकता है, लेकिन संगठित समुदाय अपार संभावनाएँ पैदा करता है।

भारतीय सहकारिता आंदोलन का इतिहास बताता है कि सीमित साधनों के बावजूद सामूहिक प्रयास से बड़े परिवर्तन संभव हैं। दुग्ध सहकारिता, कृषि विपणन, सहकारी बैंकिंग, आवास और श्रम क्षेत्र में सहकारी संस्थाओं ने न केवल आर्थिक सहयोग दिया है, बल्कि सामाजिक सुरक्षा और आत्मसम्मान भी प्रदान किया है। इन संस्थाओं ने यह सिद्ध किया है कि विकास का रास्ता केवल बड़े पूंजी निवेश से नहीं, बल्कि भरोसे और सहभागिता से भी बनता है। वर्तमान समय में, जब बाजार–केंद्रित अर्थव्यवस्था तेजी से फैल रही है, सहकारिता का महत्व और अधिक प्रासंगिक हो जाता है। निजीकरण और मुनाफे की दौड़ में अक्सर समाज का अंतिम व्यक्ति हाशिये पर चला जाता है। सहकारिता इस असंतुलन को कम करने का कार्य करती है। यह सुनिश्चित करती है कि विकास का लाभ केवल चुनिंदा लोगों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के हर वर्ग तक पहुँचे।

श्रमिक वर्ग के लिए सहकारिता एक सुरक्षा कवच के रूप में उभरती है। संगठित होकर श्रमिक न केवल अपने अधिकारों की रक्षा कर सकते हैं, बल्कि बेहतर कार्य परिस्थितियाँ, सामाजिक सुरक्षा और स्थायी आजीविका भी सुनिश्चित कर सकते हैं। सहकारिता उन्हें केवल लाभार्थी नहीं बनाती, बल्कि निर्णय–प्रक्रिया का सहभागी भी बनाती है। यही सहभागिता उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाती है। सहकारिता की सबसे बड़ी शक्ति उसका लोकतांत्रिक स्वरूप है। "एक सदस्य – एक मत" का सिद्धांत समानता और पारदर्शिता को मजबूत करता है। यह सत्ता के केंद्रीकरण को रोकता है और संस्थाओं में जवाबदेही सुनिश्चित करता है। इस कारण सहकारी संस्थाएँ केवल आर्थिक इकाइयाँ नहीं रहतीं, बल्कि सामाजिक चेतना और नेतृत्व विकास के केंद्र भी बन जाती हैं।

हालाँकि सहकारिता के सामने चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। कई स्थानों पर प्रबंधन क्षमता की कमी, पारदर्शिता का अभाव, तकनीकी पिछड़ापन और राजनीतिक हस्तक्षेप जैसी समस्याएँ देखने को मिलती हैं। इन चुनौतियों का समाधान सहकारिता को कमजोर करने में नहीं, बल्कि उसे और अधिक पेशेवर, पारदर्शी और आधुनिक बनाने में है। डिजिटल तकनीक, नियमित ऑडिट, प्रशिक्षण और सुदृढ़ शासन प्रणाली के माध्यम से सहकारी संस्थाओं की कार्यक्षमता बढ़ाई जा सकती है।

युवा पीढ़ी को सहकारिता से जोड़ना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि युवाओं को यह समझाया जाए कि सहकारिता केवल पारंपरिक व्यवस्था नहीं, बल्कि भविष्य की समावेशी अर्थव्यवस्था का प्रभावी मॉडल है, तो यह आंदोलन नई ऊर्जा प्राप्त कर सकता है। स्टार्ट–अप संस्कृति और सहकारिता का संयोजन नवाचार, रोजगार और सामाजिक उद्यमिता के नए अवसर पैदा कर सकता है।

सहकारिता का उद्देश्य केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है। इसका असली लक्ष्य सामाजिक संतुलन, समान अवसर और मानवीय गरिमा को सुनिश्चित करना है। जब समाज का कमजोर वर्ग मजबूत होता है, तभी विकास टिकाऊ बनता है और राष्ट्र की नींव सुदृढ़ होती है।

आज आवश्यकता है कि सहकारिता को नीति, प्रशासन और समाज–तीनों स्तरों पर प्राथमिकता दी जाए। ईमानदारी, पारदर्शिता और जन भागीदारी के साथ यदि सहकारिता को आगे बढ़ाया जाए, तो यह न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बनेगी, बल्कि सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता को भी मजबूती देगी।

अंततः सहकारिता हमें यह सिखाती है कि वास्तविक प्रगति वही है जो सबको साथ लेकर चले क्योंकि साथ चलने से ही रास्ते बनते हैं और साथ बढ़ने से ही विकास टिकाऊ होता है।

हरकोफैड से

सहकारी नेतृत्व विकास कार्यक्रम

झज्जर, 19 जनवरी :– दी माच्छरौली बहुउद्देशीय प्राथमिक सहकारी समिति लि० के प्रांगण में दी झज्जर केन्द्रीय सहकारी बैंक लि० के शाखा प्रबंधक सतपाल चाहर की अध्यक्षता में हरकोफैड द्वारा सहकारी नेतृत्व विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय एमपैक्स से जुड़े किसानों ने भाग लेकर सहकारिता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हरकोफैड के जिला शिक्षा अनुदेशक एस.एन. कौशिक ने सहकारिता के सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सहकारी संस्थाएं किसानों की आर्थिक मजबूती का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि एमपैक्स को सुदृढ़ कर किसान सामूहिक प्रयास से अपनी आय बढ़ा सकते हैं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बना सकते हैं।

मुख्य अतिथि दी झज्जर केन्द्रीय सहकारी बैंक के चेयरमैन पार्षद जोगेन्द्र माच्छरौली ने कहा कि सहकारी बैंक किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार और बैंक की योजनाओं का लाभ ज़मीनी स्तर पर किसानों तक पहुंचे, इसके लिए सहभागिता और पारदर्शिता आवश्यक है।

विशिष्ट अतिथि बैंक के विकास अधिकारी प्रियवृत ने किसानों को बैंक की विभिन्न ऋण

योजनाओं, बीमा सुविधाओं एवं डिजिटल बैंकिंग सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने किसानों से समय पर ऋण अदायगी और बैंक से निरंतर संवाद बनाए रखने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष सतपाल चाहर ने सभी अतिथियों एवं किसानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के सहकारी नेतृत्व विकास कार्यक्रम किसानों को जागरूक करने और सहकारिता आंदोलन को नई मजबूती प्रदान करते हैं।

ये रहे मौजूदः चेयरमैन मार्केटिंग सोसायटी एवं दी सुबाना बहुउद्देशीय प्राथमिक सहकारी समिति लि० आजाद सिंह, एमपैक्स माच्छरौली चेयरमैन धर्मपाल सिंह, सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समिति बिरेन्द्र सिंह, सेवानिवृत्त उपअधीक्षक सहकारिता विभाग मांगेराम बुल्याण, सह शिक्षा अनुदेशक हरकोफैड सत्यनाराण यादव, पैक्स प्रबन्धक हरिकिशन सहित अनेकों किसान।

किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 13.01.26 को दी सिलानी एम पैक्स के प्रांगण में हरको फैड पंचकुला के तत्वाधान में एक किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए जिला झज्जर में नियुक्त हरको फैड शिक्षा अनुदेशक एस एन कौशिक ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए बताया कि हरको फैड, सहकारिता विभाग में कार्यरत सभी सहकारी संस्थाओं की कार्य योजनाओं व गतिविधियों को जन जन तक पहुंचाने के लिए प्रचार प्रसार का कार्य करती है। इस किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को उन्नत कृषि तकनीक व सरकार की किसान हितैषी योजना फार्मस रजिस्ट्रेशन के बारे में, सी एम पैक्स गठन करने व समितियों के संचालन के बारे में व बैंकिग में मोबाइल के प्रयोग में रखने वाली सावधानियों से अवगत करवाया गया। मांगे राम, रिटार्यड सुप्रीटेंडेंट ने सी एम पैक्स गठन, इसकी कार्य प्रणाली व सहकारिता से विकास एवं समृद्धि पर प्रकाश डाला और समय पर ऋण अदायगी करके ब्याज में छूट योजना का लाभ उठाने का आह्वान किया। कृषि विभाग से रमेश लाम्बा उप मंडल कृषि अधिकारी, झज्जर ने वर्तमान में बोई गई मुख्यतः फसल गेहूं व सरसों में होने वाली बीमारियों व उनसे बचाव के उपायों का वर्णन किया गया और उपस्थित किसानों के प्रश्नों के उत्तर दिए गए। इस अवसर पर कृषि अधिकारी श्री राजीव पाल चावला ने वर्तमान में किसानों के लिए सरकार द्वारा चल रही योजनाओं से अवगत कराया और तकनीकी जानकारी भी दी। साथ ही पराली न जलाने के लिए किसानों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में गेहूं कटाई के उपरांत भी नालवा/फांस न जलाने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर सी बी शाखा सिलानी प्रबंधक जगत सिंह अहलावत, जवाहर मल एम पैक्स प्रबंधक, श्रीकृष्ण प्रधान पैक्स कार्यकारिणी, रामकुमार कटारिया, राजेन्द्र सिंह, बलवान सिंह, सिद्धार्थ, मुकेश गहलावत, चंदन व सैकड़ो किसानों ने उपस्थिति दर्ज करवाई। कार्यक्रम के अंत में एस एन कौशिक शिक्षा अनुदेशक हरकोफैड झज्जर द्वारा आभार व्यक्त करके कार्यक्रम का समापन किया।

किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लि0 (हरकोफैड) द्वारा पैक्स कलानौर, रोहतक के प्रागंण में किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री सत्यानारायण ए.सी.ई.ओ. हरकोफैड रोहतक ने कार्यक्रम में चर्चा की। श्रीमती अर्चना देवी शिक्षा अनुदेशक हरकोफैड रोहतक ने सहकारी परिभाषा सिद्धान्तों पर प्रकाश डाला, श्री बंसीलाल जैविक फार्मर ने उचित तरीके से जैविक खेती करने के बारे में बताया, देसी खाद कैसे तैयार करे। श्री जगबीर सिंह पैक्स प्रबन्धक ने बड़े ही अच्छे तरीके से खेती के अलग–2 ढंग बताए। श्री नारायण कौशिक शिक्षा अनुदेशक झज्जर ने किसानों की विभिन्न समस्याओं का निदान करके, उन्नति व खुशहाली के मंत्र बताए। उन्होंने अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

दिनांक 16.01.2026 को MPCS सिहोर (महेन्द्रगढ़) में हरकोफैड पंचकूला द्वारा किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मित्रपाल शिक्षा अनुदेशक हरकोफैड ने सभी सहकारी योजनाओं, विभिन्न सहकारी संस्थाओं के क्रिया–कलाप, वर्तमान स्थिति के बारे में चर्चा की तथा गैर सहकारी सदस्यों को 'सहकार से समृद्धि' के द्वारा अपने सामाजिक और आर्थिक हितों की पूर्ति के लिए सहकारी आंदोलन से जुड़ने का आग्रह किया। महेश कुमार जी (ATM विभाग) ने किसानों को प्राकृतिक कृषि अपनाने, जैविक खाद बनाने की प्रक्रिया, farmer ID बनवाने वैज्ञानिक तकनीकी से कृषि करने आदि के बारे में विस्तार से चर्चा की। डॉ. इंद्रजीत की ने पशु पालक किसानों को पशुओं की उचित देख–रेख करे ताकि पशु कम से कम बीमार पड़े और पशुपालकों के समय और धन की बचत हो सके, अच्छी नस्ल के पशु रखने, दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने और पशुपालकों द्वारा बताई गई पशुओं की समस्याओं का निवारण किया।

स्वयं रोजगार कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन

महिलाओं के लिए दस दिवसीय स्वयं रोजगार कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन दी हरियाणा राज्य सरकारी विभाग प्रसंघ द्वारा जिला पलवल के गाँव ककराली में दिनांक 02.01.2026 से 11.01.2026 तक स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को स्वयं रोजगार कौशल विकास के लिए दस दिवसीय प्रशिक्षण का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन हरकोफैड पंचकूला वृत रोहतक से सहायक सरकारी शिक्षा अधिकारी सी सत्यनारायण यादव जी ने समूह की महिलाओं को स्वयं रोजगार के लिए कौशल कौशल विकास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने महिलाओं को हर रोज सुबह अपने आप से एक प्रश्न रोजाना पूछने के लिए कहा, ''मैं ऐसा क्या काम करूं कि मेरे घर परिवार की आय बढ़ जाए''।

ऐसा प्रश्न लगातार 41 दिन पूछते रहने से हमारा अचेतन मन हमें अपनी क्षमता के अनुसार काम करने के लिए अंदर से प्रेरित करेगा। दस दिवसीय कार्यक्रम में कटाई, सिलाई का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण समिति मीना मंडकोला (डोमेन रिकल हैंनर) द्वारा किया गया जिसमें महिलाओं को माप, पैटर्न मेकिंग और सिलाई की बारीकियाँ सिखाई गई। महिलाओं को अपने घर से ही कपड़े सिलाई करके परिधान बनाकर बाजार में बेचकर या बुटीक प्रबंधन से अपने लिए स्वयं रोजगार का प्रशिक्षण दिया गया।

किसान कैंप

हरियाणा राज्य सरकारी विकास प्रसंग लिमिटेड हरकोफैड पंचकूला द्वारा दी डींगर माजरा बहुउद्देशीय सहकारी समितियां हरकोफैड करनाल द्वारा एक किसान कैंप का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में लगभग 55 से 60 किसानों ने भाग लिया व कृषि विभाग से आगे डॉक्टर अभिषेक कृषि विकास अधिकारी ने सभी किसानों को प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तृत जानकारी दी व सभी किसानों को किसान आईडी बनवाने से अवगत कराया गया व उसके बारे में विस्तृत जानकारी दी जिसे सभी किसानों को लाभ प्राप्त हो सके तथा पशुपालन विभाग से आई डॉक्टर आदर्श जी ने पशुओं की स्कीम व लोन के बारे में सभी किसानों को परिचित कराया वह उनको बताया कि कौन सी समय समय पर दवाइयां का प्रयोग करना चाहिए और कौन–कौन से टीके लगवाने चाहिए व सभी किसानों ने अपनी अपनी समस्याएं बताई तथा उनका जवाब लिया तथा हरकोफैड से आए हुए श्रीमती ज्योति ने सभी वक्ताओं में श्रोताओं का धन्यवाद किया सहकारिता से परिचित करवाया। पैक्स प्रबंधक ने भी सभी किसानों को सहकारिता से जुड़ने की प्रेरणा दी।

जैविक विचार गोष्ठी

हरकोफैड पंचकूला द्वारा जैविक विचार गोष्ठी का आयोजन गाँव जलमान पैक्स पानीपत में किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्री देवेंद्र (एस.डी.ओ) जी कृषि विभाग ने गाँव उपस्थित लोगों को प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तार से बताया । उन्होंने कृषि विभाग में आई योजनाओं से परिचित करवाया जिससे उनका लाभ सभी किसानों को मिल सके। डॉक्टर राधेश्याम जी ने सभी किसानों को किसान आईडी बनवाने के लिए आह्वान किया। डॉक्टर अरविंद कुमार ने सभी किसानों को मौसम विभाग की जानकारी के बारे में अवगत करवाया। मौसम के अनुसार खेती में समय–समय पर कौन–कौन सी खाद्य दवाइयों का प्रयोग किया जाना चाहिए, इस पर भी चर्चा की गई। लक्ष्मण दास जी ने प्राकृतिक खेती से अपना जीवन जीने की प्रक्रिया को सही ढंग से प्रस्तुत किया । हरकोफैड से सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री जगदीप सांगवान जी और श्रीमती ज्योति देवी जी ने सभी किसानों का आभार व्यक्त किया और सहकारिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

सहकारिता के प्रचार प्रसार में मुख्य कड़ी हरकोफैड - बीरेंद्र सिंह, ए.आर.सी.एस., झज्जर

दिनांक 15.01.2026 दी देवर खाना एम पैक्स के प्रांगण में हरकोफैड पंचकुला के तत्वाधान में एक किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए जिला झज्जर में नियुक्त हरकोफैड शिक्षा अनुदेशक एस एन कौशिक ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए बताया कि हरको फैड, सहकारिता विभाग में कार्यरत सभी सहकारी संस्थाओं की कार्ययोजनाओं व गतिविधियों को जन जन तक पहुंचाने के लिए प्रचार प्रसार का कार्य करती है। उन्होंने इस किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्पष्ट किया कि उपस्थित किसानों को उन्नत कृषि तकनीक व सरकार की किसान हितैषी योजना, फार्मर्स रजिस्ट्रेशन के बारे में सी एम पैक्स गठन करने, व समितियों के संचालन के बारे में और बैंकिग में मोबाइल के प्रयोग में रखने वाली सावधानियों से अवगत करवाया। श्री बिरेंदर सिंह, सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां झज्जर व बहादुरगढ़ ने इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा सहकारिता विभाग को मजबूत करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जी एवं केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को सभी सहकार बंधुओं तक पहुँचाने के लिए निरंतर नई दिशा प्रदान की जा रही है पैक्सो का कम्प्यूट्रीकरण, सी एम पैक्स के साथ अन्य समितियों के गठन, इनकी कार्य प्रणाली व सहकारिता से विकास एवं समृद्धि के विषय पर प्रकाश डाला और समय पर ऋण अदायगी करके ब्याज में छूट योजना का लाभ उठाने का आह्वान किया। कृषि विभाग से श्री जितेन्द्र ए डी ओ बादली द्वारा वर्तमान में बोई गई मुख्यतः फसल गेहूं व सरसों में होने वाली बीमारियों व उनसे बचाव के उपायों का वर्णन किया और उपस्थित किसानों के प्रश्नों के उत्तर दिए। इस अवसर पर पंचायत विभाग से एस. ई. पी. ओ. श्री मुकेश पाराशर ने वर्तमान में आम जन के लिए के लिए सभी सरकारी योजनाओं से अवगत कराया। उपस्थित सहकार बंधुओं का धान की पराली न जलाने के लिए आभार व्यक्त किया और भविष्य में गेहूं कटाई के उपरांत भी नालवा/फांस न जलाने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर सी बी शाखा देवर खाना प्रबंधक राजेश कुमार, विजय बाल्यान, एम पैक्स प्रबंधक, नारायण प्रधान पैक्स प्रबंधक कमेटी, राजकुमार प्रधान, रामभक्त पूर्व सरपंच, अशोक कुमार पूर्व सरपंच, वर्तमान सरपंच प्रतिनिधि, मंजीत, भगत सिंह व सैकड़ों किसानों ने उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के अंत में विजय बाल्यान एम पैक्स प्रबंधक देवर खाना द्वारा सभी का शिक्षा आभार व्यक्त करते कार्यक्रम का समापन किया।

नेतृत्व विकास कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 01.01.2026 हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लि0 (पंचकूला) द्वारा केन्द्रीय सहकारी बैंक रोहतक के प्रागंण में ''गतिशील नेतृत्व द्वारा सहकारिता का विकास'' विषय पर श्री सतीश रोहिला प्रिंसीपल सी.सी.एम. रोहतक मुख्य अतिथि के तौर पर व श्री हरीश कौशिक चेयरमैन दी रोहतक केन्द्रीय सहकारी बैंक रोहतक की अध्यक्षता में नेतृत्व विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

श्री सत्यानारायण यादव सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी हरकोफैड पंचकूला वृत कार्यालय रोहतक व एंव अर्चना देवी शिक्षा अनुदेशक हरकोफैड रोहतक ने सभी का अभिवादन करते हुए हरकोफैड की गतिविधियों के बारे में बताया औ कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यक्रम की आवश्यकता और उद्देश्य के बारे बोलते हुए कहा कि बिना अच्छे नेतृत्व के कोई भी जन आन्दोलन चाहे वह आर्थिक, सामाजिक व राजनैतिक हो, की सफलता की इच्छा रखना व्यर्थ है। उन्होंने सहकारी आन्दोलन की नेतृत्व की नर्सरी बताते हुए कहा कि सहकारी आन्दोलन से निकले हुए नेताओं से विभिन्न सम्मानित पदों पर रहते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

श्री सत्यानारयण यादव सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी हरकोफैड पंचकूला वृत कार्यालय

रोहतक ने आगे बताते हुए कहा कि सहकारिता एक उच्च प्रकार की सोच है जिससे सहकारी नीति नियम सिद्धान्त व सहकारी मूल्यों पर चलकर सहकारी सोच के साथ सहकारी समितियों में आर्थिक, सामाजिक समृद्धि का मार्ग बनाया जा सकता है।

श्री वेदप्रकाश पूर्व महाप्रबन्धक केन्द्रीय सहकारी बैंक द्वारा इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि सहकारिता में एक कुशल नेतृत्व का किसी भी समिति या सोसाइटी का सुचारू रूप से महत्वपूर्ण योगदान होता है जो कि सोसायटी को विभिन्न प्रकार की आर्थिक व सामाजिक प्रगति की रूपरेखा को आवश्यकता अनुसार समय पर पूर्ण करवाता है। सहकारिता के द्वारा केवल ऋण प्रदान करना और ऋण वसूली का कार्य ही नही होता है बल्कि कुशल नेतृत्व से पारदर्शी तरीके से सभी सदस्यों के हितों की सुरक्षा करके कार्य पूर्ण किया जाता है।

श्री सुधीर वर्मा प्रवक्ता सी.सी.एम. रोहतक अतिथि वक्ता के तौर पर सम्बोधित करते हुए नेतृत्व विकास कार्यक्रम पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया कि सहकारी नेतृत्व सम्बन्धित जानकारियां प्रदान की व नेतृत्व के लिए आवश्यक गुणों पर प्रकाश डाला। किसी भी समिति में एक टीम के रूप में कार्य करना होता है जिसमें मुखिया का जागरूक और सक्षम होना सबसे जरूरी है।

श्री छैलूराम महाप्रबन्धक केन्द्रीय सहकारी बैंक की वर्तमान गतिविधियों, ऋण सुविधाओं व बैंक की आधुनिक सुविधाओं के विषय में प्रकाश डालते हुए कहा कि किसान के समृद्ध होने से ही सहकारी समृद्ध होती है।

श्री सन्दीप कुमार प्रक्योरमैन्ट इन्चार्ज वीटा प्लांट रोहतक ने अपने सम्बोधन में दुग्ध समितियों के माध्यम से वीटा डेयरी से जुड़े महिला व पुरूष सदस्यों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में बताया उन्होंने छात्रवृति योजना, कन्यादान योजना व अन्य योजनाओं के बारे में विस्तार से समझाया। प्रबन्धक कमेटी की शक्तियों का एहसास कराते हुए बताया कि प्रबन्धक कमेटी आम सभा के प्रतिनिधि के तौर पर समिति व सदस्यों के उत्थान हेतु सहकारी अधिनियम, नियम व समिति के उपनियम के दायरे में रहकर कोई भी कार्य करने में सक्षम है। उन्होंने सहकारी अधिनियम, नियम व समिति उपनियम प्रबन्धक कमेटी से सम्बन्धित मुख्य सभी बातों पर विस्तार से जानकारी दी।

श्री हरीश कौशिक चेयरमैन केन्द्रीय सहकारी बैंक द्वारा उपस्थित बन्धुओं को सहकारिता से जुड़ने का आह्वान किया और विकास में सहकारिता को रीड़ की हड्डी बताया।

श्री सतीश रोहला प्रिंसीपल सी.सी.एम. रोहतक मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए सर्वप्रथम सभी सहकारी बन्धुओं को नववर्ष 2026 की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस प्रकार के सम्मेलन व कार्यक्रम आयोजित करने से सहकारिता को बल मिलता है आज हरियाणा सरकार भी पैक्सों के सुधारीकरण पर और सहकार बन्धुओं के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएँ चलाकर किसानों की समृद्धि के लिए नई–नई योजनाएँ ला रहें है। ''उन्होंने आह्वान किया, आइये, हम सब मिलकर सहकारिता को गति प्रदान करें।

भूमि युगों का आधुनिकता के साथ कदम ताल

वर्ष 1960 में शुद्ध हुई हरित क्रांति आज आधुनिकता के दौर में आ पहुँची है। जिन किसानों ने अपने जीवन की शुरूआत सुबह से शाम तक खेतों में रहकर बैलों से जुताई बिजाई का कार्य किया था वे अब जीवन के अंतिम पड़ाव में खेती के इस बदलते स्वरूप से अचंभित है। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि खेती का स्वरूप इतना बदलेगा। आज के युग में किसानों ने मशीनों का उपयोग करके कृषि को आसान और फायदेमंद बना दिया है। धान की रोपाई के साथ कटाई का कार्य भी मशीनों से होने लगा है जिससे खर्च भी कम होता है और कार्य भी शीघ्रता से सम्पन्न होता है। हैरो और कल्टीवेटर से शुरू होकर रोटावेटर व आज सुपर सीडर तक का सफर जो जुताई के साथ–साथ बुआई आदि कार्य भी करते है।

कृषि के प्रति सरकार की लाभकारी योजनाएँ भी आधुनिकता का स्वरूप है। कई गांवों में ऐसे समूह बने है जो 11 किसानों से शुरू होकर 200 सदस्यों तक के संगठन में कार्य करते है। फ़ार्मर प्रोडयूसर कम्पनी के जरिए खेती करते है व सरकार की स्कीमों का लाभ प्राप्त करते है। साथ ही कस्टम हायर सैंटर की सुविधा का फायदा लेते है। जिसमें कृषि यंत्रों पर 80 प्रतिशत तक सब्सिडी मिलती है। किसान यहाँ से यंत्र किराये पर लेकर या भाड़े पर कार्य करवा सकते हे। सब्जी व बागवानी में भी सरकार की मदद से ड्रिप सिंचाई को प्रोत्साहन मिलता है। जो किसान दुग्ध कार्य भी करते है बागवानी विभाग 80 प्रतिशत सब्सिडी पर सौलर वैन देता है जो टोल टैक्स फ्री है। यदि किसी किसान को फसल में कोई समस्या या बीमारी आती है तो सरकार ने हेल्प लाइन नंबर जारी किया हुआ है जो निशुल्क है।

हरकोफैड भी प्रत्येक जिले में किसान कैम्प आयोजित करता है। कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि कल्याण विभाग, बागवानी विभाग, पशुपालन विभाग से कैम्प के माध्यम से किसानों तक विशेषज्ञों को उपलब्ध करवा कर सरकार योजनाओं व खेती में लाभ प्राप्त करने के लिए जानकारी दिलवाता है। सरकार की नई जैविक खेती योजना की जानकारी देने के लिए प्रत्येक जिले में सेमिनार आयोजित करके किसानों को लाभ प्रदान किया जा रहा है।

स्लोगन - प्रतियोगिता

आइए, कुछ सृजन करें! मन की कल्पना से चित्र का अवलोकन करके एक स्लोगन लेखन प्रतियोगिता मे भागीदारी कीजिए –

लिखें स्लोगन, जीतें पुरस्कार

रूपए 500/–

प्रविष्टि (Entry) भेजने की अंतिम तिथि : प्रतिमाह दिनांक 22 तक 5 बजे से पहले

नियम

★ प्रविष्टि (Entry) मौलिक, अर्थपूर्ण एवं हिन्दी भाषा में होनी चाहिए।

★ एक प्रतिभागी की एक ही प्रविष्टि (Entry) मान्य होगी।

★ स्लोगन सहकारिता से संबंधित हो और शब्द–सीमा अधिकतम 10–20 होनी चाहिए ।

★ प्रतिभागी अपनी प्रविष्टि (Entry) के साथ नाम, पता, मोबाइल एवं ई.मेल आई.डी के साथ फोटो भी भेजें ।

स्लोगन उसी का मान्य होगा जिसके पास पत्रिका की सदस्यता होगी।

दिए गए व्हाट्सएप नम्बर पर ही निर्धारित चित्र के साथ ही स्लोगन भेजिए।

मो0 **9646396508**

महाशिवरात्रि

महाशिवरात्रि का वैज्ञानिक महत्व बहुत गहरा है। इस दिन पृथ्वी की स्थिति ऐसी होती है कि गुरूत्वाकर्षण बल में परिवर्तन होता है जिससे मानव शरीर में ऊर्जा का प्रवाह ऊपर की ओर होता है। यह ऊर्जा हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभादायक होती है।

वैज्ञानिक दृष्टि से महाशिवरात्रि का महत्व

1. चंद्रमा की स्थिति :- महाशिवरात्रि के समय, चंद्रमा पृथ्वी के सबसे निकट होता है जिससे उसकी गुरूत्वाकर्षण शक्ति बढ़ जाती है। यह शक्ति मानव शरीर में ऊर्जा के प्रवाह को ओर बढ़ाती है।

2. ऊर्जा का ऊर्ध्वगमन :- महाशिवरात्रि की रात पृथ्वी की ऊर्जा सबसे अधिक ऊर्ध्वगामी होती है। यह ऊर्जा मस्तिष्क तक पहुंचती है, जिससे मानसिक स्पष्टता और आध्यात्मिक अनुभव बढ़ते हैं।

3. मेलाटोनिन हार्मोन :- महाशिवरात्रि की रात को जागने से शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जो तनाव कम करता है, मानसिक शांति और ध्यान केंद्रित करने की शक्ति बढ़ाता है।

हमें इस दिन ध्याान और प्राणायाम करके मन को शुद्ध करना चाहिए। हम शक्तिशाली ऊर्जा को स्वयं में समाहित करके ऊर्जावान बन सकते है।

डिजिटल शिक्षा : ग्रामीण किसानों को सशक्त बनाने में एक अग्रणी पहल

जतेश काठपालिया, रिजुल सिहाग और रश्मि त्यागी समाजशास्त्र विभाग
चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

भारतीय कृषि का परिवर्तन केवल तकनीकी नवाचार पर ही नहीं बल्कि ज्ञान के लोकतंत्रीकरण पर भी निर्भर करता है। डिजिटल शिक्षा ग्रामीण समुदायों और महत्वपूर्ण कृषि जानकारी के बीच एक आवश्यकत सेतु के रूप में उभरी है। यह लेख इस बात की पड़ताल करता है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म किस प्रकार किसानों (विशेष रूप से पिछड़े क्षेत्रों के) को वास्तविक समय की जानकारी, व्यावहारिक उपकरण और संस्थागत संसाधन प्रदान कर रहे हैं। इन प्रगतियों के साथ–साथ, यह अध्ययन इस बदलाव के समाजशास्त्रीय पहलुओं की भी जांच करता है, जिनमें जाति, वर्ग, लैंगिक समानता और डिजिटल समानता से जुडे मुद्दे शामिल हैं।

कृषि में डिजिटल ज्ञान की आवश्यकता : कृषि भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मूल है, फिर भी किसान आज भी अनिश्चित मौसम, अस्थिर बाजारों और समय पर जानकारी की सीमित उपलब्धता जैसी बाधाओं का सामना करते है। पारंपरिक विस्तार प्रणालियाँ भारत की पूरी ग्रामीण आबादी तक पहुँचानें में असफल रहती हैं।

मोबाइल फोन के प्रसार और भारतनेट जैसी पहलों के माध्यम से इंटरनेट कनेक्टिविटी के विस्तार के साथ, डिजिटल उपकरण कृषि शिक्षा के प्रसार में अत्यंत आवश्यक बन गए हैं। मोबाइल ऐप्स वेबिनार, सामुदायिक व्हाट्सएप समूहों और द्विभाषी ई–पत्रिकाओं के माध्यम से, डिजिटल प्लेटफॉर्म यह बदल रहे हैं कि ज्ञान तक पहुँच और सांझा करने की प्रक्रिया कैसे होती है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि यह केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं बल्कि एक समाजशास्त्रीय बदलाव भी है। डिजिटल शिक्षा सामाजिक संबंधों को पुनः आकार दे रही है, अधिकारों का पुनर्वितरण कर रही है और ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे समूहों जैसे महिलाएँ और निम्न जाति के किसान को एक मजबूत आवाज दे रही है।

ग्रामीण किसानों के लिए डिजिटल शिक्षा की परिभाषा : डिजिटल शिक्षा का अर्थ है, किसी भी प्रकार का कृषि

ज्ञान डिजिटल माध्यमों से सांझा करना जैसे एमएमएस सेवाएँ, वीडियो टयूटोरियल ई–पत्रिकाएँ या एआई आधारित सलाह। ये उपकरण किसानों की तात्कालिक आवश्यकताओं के अनुरूप वास्वविक समय स्थानीय और उपयोगी जानकारी प्रदान करते हैं।

समय पर जानकारी प्रदान करके जैसे मौसम अपडेट फसल रोग चेतावनी और इनपुट की कीमतें, आधुनिक कृषि की सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देकर टयूटोरियल और केस स्टडी के माध्यम से डिजिटल शिक्षा किसानों को सशक्त बनाती है। प्रत्यक्ष बाजार पहुँच को सक्षम बनाती है। प्रत्यक्ष बाजार पहुँच को सक्षम बनाकर जिससे किसान शोषणकारियों बिचौलियों को दरकिनार कर सकें। व्हाट्सएप – आधारित सलाहकार समूहों का उपयोग करने वाले किसानों ने कम इनपुट लागत और बढ़ी हुई उपज की सूचना दी जो यह दर्शाता है कि साधारण डिजिटल उपकरण भी बड़े बदलाव ला सकते है।

डिजिटल शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन : वर्ग और जाति के पहलू, आर्थिक ओर ढांचागत बाधाएँ अक्सर वंचित समूहों जैसे अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को डिजिटल उपकरणों तक पूरी पहुँच से वंचित करती हैं। फिर भी, समावेशन पर केंद्रित कार्यक्रम इस खाई को पाटना शुरू कर चुके हैं।

लैंगिक और डिजिटल समावेशन पितृसत्तात्मक मानदंड अक्सर महिलाओं की तकनीक तक पहुँच को सीमित करते हैं। जैसे पहले महिलाओं को डिजिटल शिक्षकों के रूप में प्रशिक्षित करती हैं, जिससे ज्ञान का प्रसार और सामुदायिक नेतृत्व दोनों को बढ़ावा मिलता है।

युवा डिजिटल मध्यस्थ के रूप में तकनीकी रूप से दक्ष ग्रामीण युवा अक्सर बुजुर्ग पीढ़ियों के लिए अनुवादक का काम करते हैं। यह पीढ़ीगत संवाद ज्ञान के हस्तांतरण को प्रोत्साहित करता है और सामाजिक बंधन को मजबूत करता है।

विश्वास और सामाजिक पूंजी डिजिटल शिक्षा में विश्वास एक अहम भूमिका निभाता है। किसान सहकारी समितियाँ गैर–सरकारी संगठन और स्थानीय प्रभावशाली व्यक्ति डिजिटल प्लेटफॉर्म को वैधता प्रदान करते हैं और उनके उपयोग को बढ़ावा देते हैं।

कार्यान्वयन में चुनौतियाँ : प्रगति के बावजूद कुछ प्रमुख चुनौतियाँ बनी हुई हैं :–

1. कनेक्टिविटी की कमी, उपकरणों की लागत और डिजिटल निरक्षरता के कारण।
2. सामग्री की असंगति जब डिजिटल सामग्री स्थानीय या व्यावहारिक नहीं होती तो जुड़ाव को कम करती है।
3. वृद्ध या परंपरागत समुदायों से सांस्कृतिक प्रतिरोध अपनाने की गति को धीमा कर सकता है।
4. गलत सूचना और डेटा गोपनीयता से जुड़े जोखिम बढ़ते जा रहे हैं

सरकारी पहल और नीतिगत समर्थन :

1. डिजिटल कृषि को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयासों में शामिल हैं।
2. पीएम – किसान मोबाइल ऐप सीधे लाभ और योजना संबंधी जानकारी के लिए।
3. राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस योजना इन एग्रीकल्चर विस्तार सेवाओं के डिजिटलीकरण के लिए।
4. कॉमन सर्विस सेंटर जो ग्रामीण समुदायों के लिए तकनीकी पहुँच केंद्र के रूप में कार्य करते हैं।
5. हरियाणा और कर्नाटक जैसे राज्यों में स्थानीय फसलों और जलवायु के अनुरूप, क्षेत्र–विशिष्ट और स्थानीय भाषा में ई–लर्निंग प्लेटफॉर्म विकसित किए गए हैं।

निजी क्षेत्र और एनजीओ की भूमिका : निजी स्टार्टअप कंपनियाँ डिजिटल उपकरणों को इनपुट आपूर्ति और बाजार पहुँच के साथ जोड़ती हैं। डिजिटल ग्रीन जैसे गैर–सरकारी संगठन सहभागी सामग्री निर्माण को प्रोत्साहित करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि किसान केवल उपभोक्ता नहीं बल्कि ज्ञान के सह–निर्माता भी हों।

प्रभाव मूल्यांकन सशक्तिकरण के प्रमुख संकेतक :
डिजिटल शिक्षा ने निम्नलिखित क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार लाए हैं :

1. आर्थिक रूप से किसानों ने बेहतर उपज और बाजार पहुँच की रिपोर्ट दी है।
2. सामाजिक रूप से इसने मजबूत सहकर्मी नेटवर्क और सहयोगात्मक सीखने को बढ़ावा दिया है।
3. राजनीतिक रूप से इसने सरकारी अधिकारों और योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाई है।

निष्कर्ष : डिजिटल शिक्षा केवल ज्ञान के प्रसार का माध्यम नहीं है यह एक परिवर्तनकारी सामाजिक उपकरण है। यह पहुँच का लोकतंत्रीकरण करती हैं, पुरानी सामाजिक संरचनाओं को चुनौती देती है और समावेशी विकास को बढ़ावा देती है। जब इसे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित किया जाता है, सामुदायिक नेटवर्क द्वारा समर्पित किया जाता है तो यह केवल फसलों की ही नहीं बल्कि एक अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर ग्रामीण समाज की भी खेती करती है।

NANO TECHNOLOGY
NANO UREA & DAP
SAHKAR SE SAMRIDDHI
Aatmanirbhar Bharat, Aatmanirbhar Krishi
IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
IFFCO NANO UREA Plus
and
IFFCO NANO DAP
Promises
More Yield And More Profit
World's First Nano Fertilizer by IFFCO
500 ML Bottle ₹225/- only
500 ML Bottle ₹600/- only
Contains 20% NITROGEN
FREE ACCIDENT INSURANCE
IFFCO Nano UREA Plus Liquid
IFFCO Nano DAP Liquid
NANO UREA PLUS
NANO DAP
LIQUID (8:16:0)
CROP NUTRITION REDEFINED
Less Cost, More Profits
INDIAN FARMERS FERTILISER COOPERATIVE LIMITED
IFFCO Sadan, C-1 District Centre, Saket Place, New Delhi - 110017, INDIA
Phones: 91-11-26510001, 91-11-42592626. Website: www.iffco.coop

39वां सूरकुण्ड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला

(31 जनवरी से 15 फरवरी)

हरियाणवी गीत

फरीदाबाद मैं सूरजकुण्ड मेले की होरी तैयारी सै
रंग बिरंगी कला संस्कृति देखण दुनिया आरी सै

ढ़ोल नगाड़े तै हर कोणा-कोणा बाजण लागैगा
हरियाणा की शान देख भई हर दिल नाचण लागैगा
विदेश के अतिथियों नै जिसकी शान निखारी सै
रंग बिरंगी कला संस्कृति देखण दुनिया आरी सै

मेघालय की बांस कला भी देखण नै भई पावैगी
यूपी बनारस अवध की माटी रेशम शान दिखावैगी
मिस्र देश के हुनर की खुशबू खुद चलकै ने आरी सै
रंग बिरंगी कला संस्कृति देखण दुनिया आरी सै

नायब सैनी सी.एम साहब नै सोच तै काम दिखाया रै
सूरजकुण्ड मेले का नाम पूरी दूनिया मै चमकाया रै
पर्यटन मंत्री अरविन्द शर्मा की मेहनत रंग ल्यारी सै
रंग बिरंगी कला संस्कृति देखण दुनिया आरी सै

इस मेले का गजब नजारा चौगरदे धूम मचावैगा
अतिथि देवो भव: सबका होगा जो मेले मैं आवैगा
सौरव अत्री न्यु कहरया भई मौज करण की बारी सै
रंग बिरंगी कला संस्कृति देखण दुनिया आरी सै

लेखक एवं गायक
श्री सौरव अत्री, प्रचार अधिकारी,
हरकोफैड, सहकारिता विभाग, हरियाणा

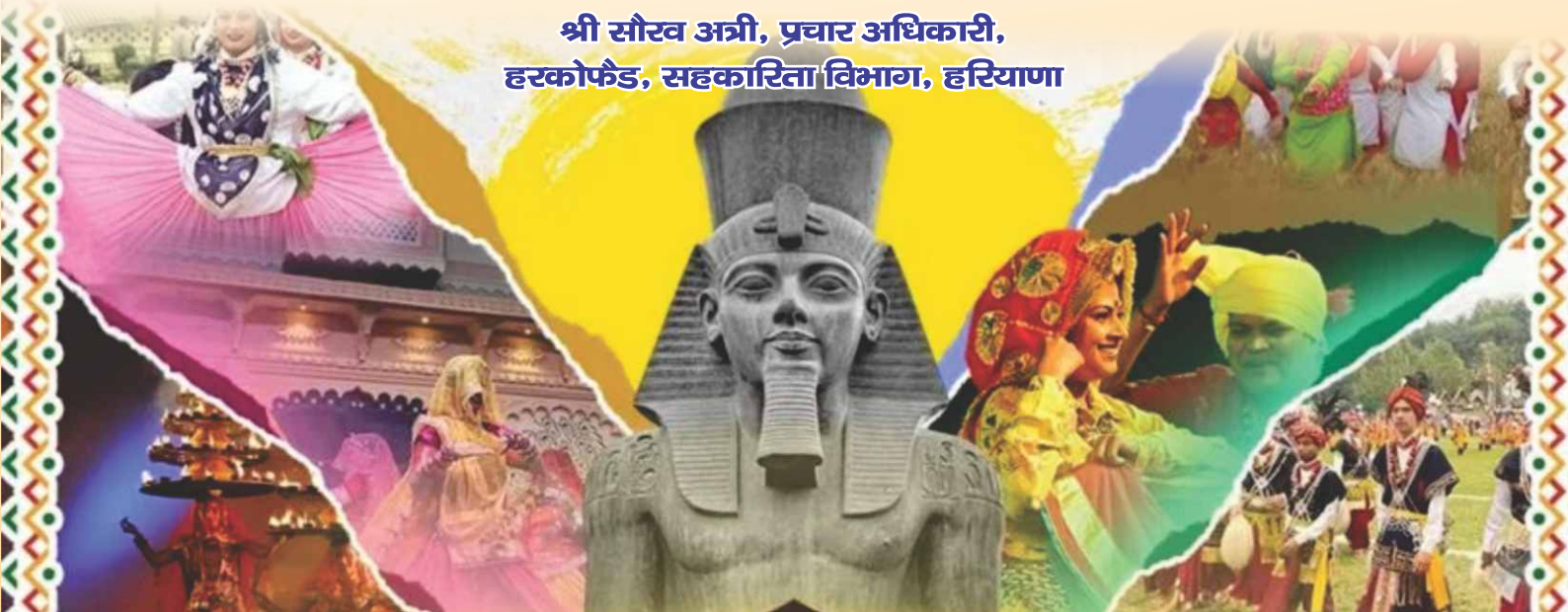

HARYANA TOURISM
Come, holiday with us !

शिल्प उत्सव की शुरूआत

सज रहा है

सूरजकुंड

39th Surajkund International Crafts Mela

Surajkund Mela Authority

आओ म्हारे

हरियाणा

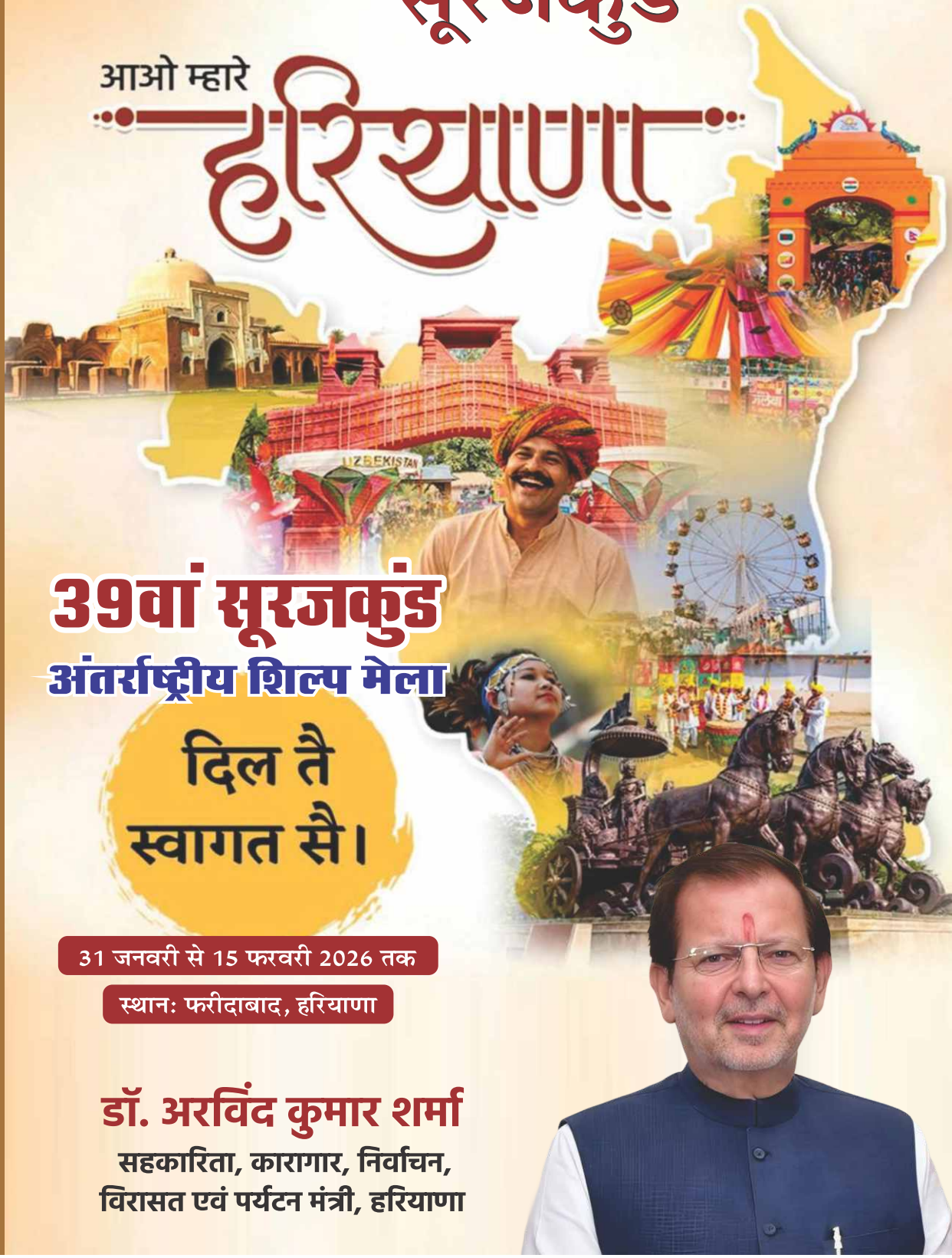

39वां सूरजकुंड

अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला

दिल तै स्वागत सै।

31 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक

स्थान: फरीदाबाद, हरियाणा

डॉ. अरविंद कुमार शर्मा

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री, हरियाणा

HARCOFED

Bays No. 49-52, Sector - 2, Panchkula https://www.harcofed.org.in harcofed@ymail.com

हरियाणा राज्य सहकारी विकास फैडरेशन की ओर से सौरव शर्मा संपादक द्वारा हरियाणा सहकारी प्रैस 165–166, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, चण्डीगढ़ से मुद्रित व प्रकाशित तथा कार्यालय बेज नं. 49–52, प्रथम तल, सेक्टर–2, पंचकूला ।
दूरभाष : 0172–2560340, 2560332 हरकोप्रैस : 0172–2637264